

23 Агне-то. И *градъ-тъ нѣмаше нуждъ отъ слънце, нито отъ лунъ, да свѣтятъ въ него; защото слава-та Божія го освѣтляваше.
24 и свѣтило-то негово е Агне-то. *И народитѣ на спасаемы-тъ ще ходятъ въ неговъ-тъ видѣлиня, и царѣ-тъ земни носятъ въ него
25 своѣ-тъ славы и почестъ. *И порты-тъ му не ще ся затварятъ деия, *защото нощъ не
26 ще да има тамо. *И ще донесхъ въ него
27 славы-тъ и почестъ-тъ на народы-тъ. И нѣма да влѣзе въ него нищо което осквърнява и прави мерзость и лъжъ; но само написани-тъ въ Агневъ-тъ *книжъ на живота.

ГЛАВА 22.

1 И показа ми *чистъ рѣкъ отъ водъ на животъ, быстръ както кристалъ, която изхождаше отъ прѣстолъ-тъ на Бога и на
2 Агне-то. *И въ срѣдъ стѣждъ-тъ му и отъ двѣ-тъ страны на рѣкъ-тъ, *бѣше *дърво-то на живота, което даваше плодове дванадесетъ, и раждаше плодъ всякой мѣсець; и листѣ-тъ на дърво-то сж *за исцѣленіе
3 на народы-тъ. И *никоѣхъ проклѣтїи не ще има вече; *и прѣстолъ-тъ на Бога и на Агне-то ще бѣде въ него; и раби-тъ негови
4 ще му служатъ. И *ще гледатъ лице-то му, *и негово-то име ще е на чела-та имъ.
5 И *нощъ не ще да има тамо; и нѣматъ нуждъ отъ свѣтило и отъ слънечнъ видѣлиня; *защото Господь Богъ гы освѣтлява; *и ще царуватъ въ вѣкы вѣковъ.
6 И рече ми: *тѣзи думы сж вѣрны и истинны; и Господь Богъ на святыи-тъ пророцы *проводѣ ангела своего, да покаже на неговы-тъ рабы това което трѣбва скоро да бѣде. *Ето, идж скоро; *блаженъ който упаци думы-тъ на пророчество-то на тѣзи книгъ.
7 И азъ Іоаннъ сѣмъ, който видѣхъ и чухъ това; и когато чухъ и видѣхъ, *паднахъ да ся поклонѣхъ прѣдъ нозѣ-тъ на ангель-
8 тѣ който ми показуваше това. И рече ми:

то Ис. 24; 23. 60; 19, 20.

ст. 11. Гл. 22; 5.

ю Ис. 60; 3, 5, 11. 66; 12.

л Ис. 60; 11.

м Ис. 60; 20. Зах. 14; 7.

Гл. 22; 5.

н Ст. 24.

а Ис. 35; 8. 52; 1. 60; 21.

иоан. 3; 17. Гл. 22; 14, 15.

б Фил. 4; 3. Гл. 3; 5. 13; 8.

20; 12.

—

а Ис. 47; 1. Зах. 14; 8.

б Ис. 47; 12. Гл. 21; 21.

в Быт. 2; 9. Гл. 2; 7.

з Гл. 21; 24.

д Зах. 14; 11.

е Ис. 48; 35.

жс Мар. 5; 8. 1 Кор. 13; 12.

1 Иоан. 3; 2.

з Гл. 3; 12. 14; 1.

и Гл. 21; 23, 25.

і Псал. 36; 9. 84; 11.

к Дан. 7; 27. Рим. 5; 17. 2

Тим. 2; 12. Гл. 3; 21.

л Гл. 19; 9. 21; 5.

м Гл. 1; 1.

н Гл. 3; 11. Ст. 10, 12, 20.

о Гл. 1; 3.

п Гл. 19; 10.

р Гл. 19; 10.

*Внимај да не сторишь това; защото азъ сѣмъ съслужитель твой, и на твои-тъ братїя пророцы-тъ, и на тѣзи които пазятъ думы-тъ на тѣзи книгъ; поклонѣ ся Богу.

10 И *казува ми: Не запечатувай думы-тъ на пророчество-то на тѣзи книгъ; *защото

11 врѣме-то е близо. *Който е несправеденъ, нека си е вече несправеденъ; и който е не-

12 чистъ, нека си е вече нечистъ; и праведный-тъ нека си е вече праведенъ; и свя-

13 тый-тъ нека си е вече святъ. И *ето идж скоро; *и моя-та заплата е съ мене, *да въздамъ всякому споредъ какъвто ще бѣ-

14 джъ дѣла-та му. *Азъ сѣмъ Алфа и Омега, начало и конецъ, пръвѣй и послѣднѣй.

15 *Блаженѣ които исполняватъ неговы-тъ заповѣди, за да иматъ власть *надъ

16 дърво-то на живота, *и да влѣзхъ прѣзъ порты-тъ на градъ-тъ. *А вѣнъ сж *пес-

17 та-та, и цародѣйци-тъ, и блудницы-тъ, и убійцы-тъ, и идолопоклонници-тъ, и всякой който обыча и прави лъжъ.

18 *Азъ Іисусъ проводихъ мой-тъ ангель да ви засвидѣтельствува това въ церкви-тъ; *азъ сѣмъ корень-тъ и родъ-тъ Дави-

19 довъ, свѣтла-та и утрення-та *звѣзда. И Духъ-тъ *и невѣста-та казувать, Ела; и

20 който чуе нека рече, Ела; и *който е жеденъ нека дойде, и който ище нека зема даромъ водъ-тъ на живота.

21 А азъ засвидѣствувамъ всякому, който слуша думы-тъ на пророчество-то на тѣзи книгъ; *ако приложи итъкой на това, Богъ

22 ще наложи на него написаны-тъ въ тѣзи книгъ изъзы; И ако отнеме нѣкой отъ думы-тъ на книгъ-тъ на това пророчество,

23 *Богъ ще отнеме неговъ-тъ часть отъ книгъ-тъ на живота, и *отъ святыи-тъ градъ, и отъ написаны-тъ въ тѣзи книгъ.

24 Казува онзи който свидѣтельствува това: *Ей, идж скоро. *Аминь. *Ей, дойди, Господи Іисусе.

25 *Благодать-та на Господа нашего Іисуса Христа да бѣде съсъ вѣчкы васъ. Аминь.

с Дан. 6; 26. 12; 4, 9. Гл. 10; 4.

т Гл. 1; 3.

у Ис. 3; 27. Дан. 12; 10. 2

Тим. 3; 13.

ф Ст. 7.

х Ис. 40; 10. 62; 11.

и Рим. 2; 6. 14; 12. Гл. 20; 12.

ч Ис. 41; 4. 44; 6. 48; 12.

Гл. 1; 8. 11. 21; 6.

ш Дан. 12; 12. 1 Иоан. 3; 24.

щ Ст. 2. Гл. 2; 7.

е Гл. 21; 27.

з 1 Кор. 6; 9. 10. Гл. 5; 19

до 21. Кол. 3; 6. Гл. 9; 20,

21. 21; 8.

в Фил. 3; 2.

л Гл. 1; 1.

ю Ис. 5; 5.

л Числ. 24; 17. Зах. 6; 12.

2 Пет. 1; 19. Гл. 2; 28.

ж Гл. 21; 2, 9.

ио Ис. 55; 1. Иоан. 7; 37. Гл.

21; 6.

а Втор. 4; 2. 12; 32. Прит. 30; 6.

б Ис. 32; 33. Псал. 69; 28.

Гл. 3; 5. 13; 8.

е Гл. 21; 2.

з Ст. 12.

д Иоан. 21; 25.

е 2 Тим. 4; 8.

жс Рим. 16; 20. 24. 2 Сол. 3; 18.

КОНЕЦЪ.

НАРОДНА БИБЛИОТЕКА-ТЪРНОВО